ब्रेन ट्यूमर: आसान है पहचान

ब्रेन ट्यूमर ऐसा शब्द है जिसे सुनने मात्र से ही डर और असुरक्षा महसूस होने लगती है। दरअसल ऐसा शायद ब्रेन ट्यूमर से जुड़ी कुछ भ्रामक जानकारी के कारण होता है। यह सच्चाई है कि अगर किसी व्यक्ति को ब्रेन ट्यूमर होता है तो उसकी स्थिति गंभीर ही होती है। हालांकि आज ब्रेन ट्यूमर का इलाज उपलब्ध है लेकिन फिर भी यह एक जानलेवा बीमारी है। नई दिल्ली स्थित बीएलके सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल के इंटरवेंशनल-एंडोवस्कुलर न्यूरोसर्जरी विभाग के एचओडी डा. विकास गुप्ता हमें ब्रेन ट्यूमर से जुड़ी कुछ भ्रांतियां और उसकी सच्चाई के बारे में बता रहे हैं :

भ्रांति : ब्रेन ट्यूमर यदा-कदा होने वाली बीमारी है।

सच्चाई : ऐसा नहीं है कि ब्रेन ट्यूमर यदा-कदा ही होता है लेकिन यह अपेक्षाकृत कम ही नजर आता है। कुछ ही लोग इसके समुचित स्वास्थ्य सुविधा तक पहुंच पाते हैं और इलाज कराते हैं। पहले बेहतरीन तकनीकी सुविधाओं के अभाव में इस रोग की पहचान और निदान कम ही हो पाता था लेकिन अब आधुनिक उपकरणों जैसे सीटी स्कैन और एमआरआई के जरिये ब्रेन ट्यूमर की पहचान आसान हो गई है।

भ्रांति : नुक्सान न पहुंचाने वाला ब्रेन ट्यूमर गंभीर नहीं होता।

सच्चाई : यह सच नहीं है कि नुक्सान न पहुंचाने वाले सभी ब्रेन ट्यूमर ज्यादा गंभीर नहीं होते क्योंकि ब्रेन ट्यूमर की गंभीरता इस बात पर निर्भर करती है कि वह मस्तिष्क के किस हिस्से में मौजूद है और जहां से शल्य क्रिया द्वारा उसे पूरी तरह निकाला जा सकता है या नहीं। इसके बाद ही यह तय किया जा सकता है कि इसकी स्थिति नुक्सान पहुंचाने वाली है या नहीं।

भ्रांति: जीवनशैली में परिवर्तन से ब्रेन ट्यूमर से बचा जा सकता है।

सच्चाई : जीवनशैली में परिवर्तन करने से ब्रेन ट्यूमर से बचा नहीं जा सकता लेकिन ऐसा करना स्वास्थ्य संबंधी दूसरे मामलों के लिए फायदेमंद होता है जो बेहतर स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। नियमित व्यायाम, पौष्टिक आहार और विषैले पदार्थों से बचना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है।

भ्रांति : ब्रेन ट्यूमर के सभी मरीजों के लक्षण एक जैसे होते हैं।

सच्चाई : यह सच नहीं है क्योंकि ब्रेन ट्यूमर के मरीजों के लक्षण एक समान नहीं होते लेकिन कुछ सामान्य लक्षण एक जैसे हो सकते हैं। सामान्य तौर पर ब्रेन ट्यूमर सिर के अंदर फैलता है, स्कल के अंदर दबाव बढ़ाता है और नई वृद्धि को समायोजित करने के लिए आकार को बढ़ा नहीं पाता, जैसा कि शरीर के अन्य हिस्सों में उत्पन्न होने वाले ट्यूमर करते हैं, इसलिए इसके लक्षणों में सिरदर्द, चक्कर और उल्टी आदि शामिल हैं। इसके अन्य लक्षण ट्यूमर किस स्थान पर है इस पर आधारित होते हैं, जैसे दौरे, कमजोरी, दृष्टि कमजोर होना, सुनने या बोलने में परेशानी, संतुलन में कमी आदि।

भ्रांति : मोबाइल फोन से निकलने वाला रेडियेशन ब्रेन ट्यूमर के लिए जिम्मेदार है।

सच्चाई : डा. गुप्ता के अनुसार रेडियेशन के अत्यधिक चपेट में आने के कारण ट्यूमर बनता है जिसमें ब्रेन ट्यूमर भी शामिल है। उदाहरण के लिए एक्सरे, आईनाइजिंग रेडियेशन और एटोमिक रेडिएशंस आदि। हालांकि मोबाइल फोन के इस्तेमाल और इससे निकलने वाला रेडियेशन जो ब्रेन ट्यूमर का कारण बनता है पर लंबे समय से बहस चल रही है लेकिन इस धारणा को साबित करने के लिए कोई भी पुख्ता सबूत नहीं हैं जिससे यह दावा किया जाये कि मोबाइल फोन का रेडियेशन ब्रेन ट्यूमर का कारण बनता है।

भ्रांति : युवाओं को ब्रेन ट्यूमर की समस्या नहीं होती।

सच्चाई : ऐसा नहीं कि युवाओं को ब्रेन ट्यूमर नहीं होता क्योंकि ब्रेन ट्यूमर के लिए उम्र कोई कसौटी नहीं है। यहां तक कि नवजात शिशुओं में भी ब्रेन ट्यूमर की समस्या पायी जाती है। हालांकि उम्र के साथ-साथ ब्रेन ट्यूमर और अधिक घातक हो जाता है।